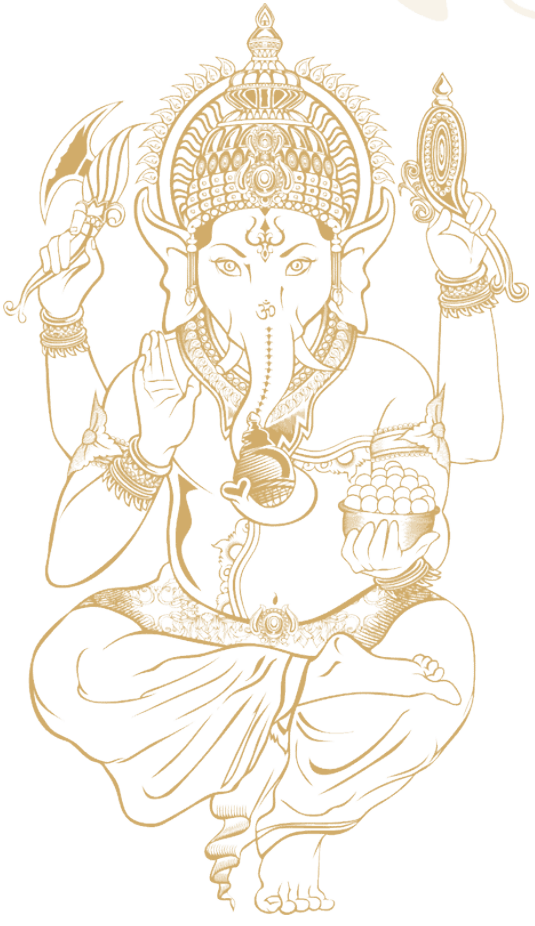

Ankit Upadhyay

06 Oct 1989

07:28 PM

Aligarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121026504

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/10/1989**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**19:28:00 घंटे**
इष्ट	33:07:18 घटी
स्थान	**Aligarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:54:00 उत्तर
रेखांश	78:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:10:16 घंटे
वेलान्तर	00:11:49 घंटे
साम्पातिक काल	20:11:05 घंटे
सूर्योदय	06:13:04 घंटे
सूर्यास्त	17:58:22 घंटे
दिनमान	11:45:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	19:34:38 कन्या
लग्न के अंश	20:16:26 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सौभाग्य
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येरुसलम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	20:16:26	439:20:00	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			कन्या	19:34:38	00:59:11	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	सम राशि
चंद्र			धनु	02:47:15	12:19:52	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	17:19:28	00:39:16	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
बुध			कन्या	02:36:21	00:26:36	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
गुरु			मिथु	16:20:29	00:04:17	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	03:56:10	01:07:42	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
शनि			धनु	14:06:13	00:02:27	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	00:45:07	00:02:42	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	00:45:07	00:02:42	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	07:55:08	00:01:21	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
नेप			धनु	15:57:22	00:00:30	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
प्लूटो			तुला	20:09:01	00:02:09	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	---
दशम भाव			मक	06:51:11	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:00

लग्न-चलित

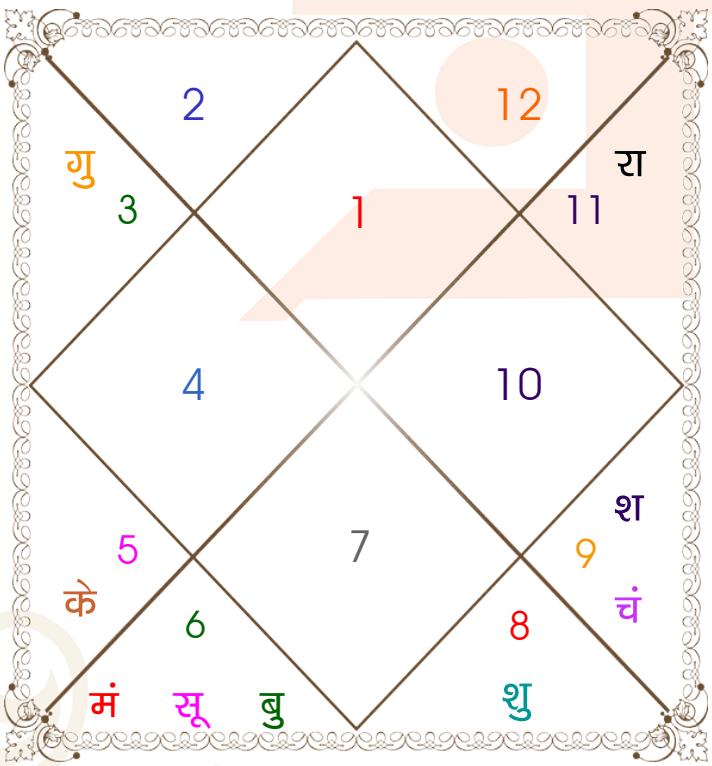

चन्द्र कुंडली

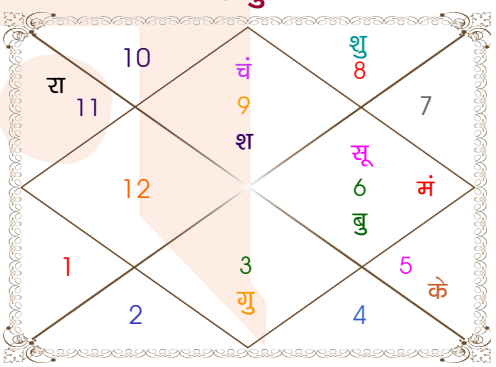

नवमांश कुंडली

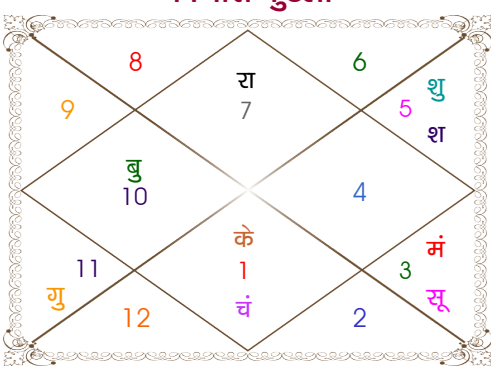

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 6 मास 13 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/10/1989		21/04/1995		21/04/2015		20/04/2021		21/04/2031	
21/04/1995		21/04/2015		20/04/2021		21/04/2031		20/04/2038	
	06/10/1989	शुक्र	20/08/1998	सूर्य	08/08/2015	चंद्र	18/02/2022	मंगल	17/09/2031
शुक्र	16/11/1989	सूर्य	20/08/1999	चंद्र	07/02/2016	मंगल	19/09/2022	राहु	04/10/2032
सूर्य	24/03/1990	चंद्र	20/04/2001	मंगल	14/06/2016	राहु	20/03/2024	गुरु	10/09/2033
चंद्र	23/10/1990	मंगल	20/06/2002	राहु	08/05/2017	गुरु	20/07/2025	शनि	20/10/2034
मंगल	21/03/1991	राहु	20/06/2005	गुरु	24/02/2018	शनि	19/02/2027	बुध	17/10/2035
राहु	08/04/1992	गुरु	19/02/2008	शनि	06/02/2019	बुध	20/07/2028	केतु	14/03/2036
गुरु	15/03/1993	शनि	21/04/2011	बुध	14/12/2019	केतु	18/02/2029	शुक्र	14/05/2037
शनि	23/04/1994	बुध	18/02/2014	केतु	20/04/2020	शुक्र	20/10/2030	सूर्य	19/09/2037
बुध	21/04/1995	केतु	21/04/2015	शुक्र	20/04/2021	सूर्य	21/04/2031	चंद्र	20/04/2038

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
20/04/2038		20/04/2056		20/04/2072		21/04/2091		21/04/2108	
20/04/2056		20/04/2072		21/04/2091		21/04/2108		00/00/0000	
राहु	31/12/2040	गुरु	08/06/2058	शनि	24/04/2075	बुध	16/09/2093	केतु	17/09/2108
गुरु	27/05/2043	शनि	19/12/2060	बुध	01/01/2078	केतु	13/09/2094	शुक्र	07/10/2109
शनि	02/04/2046	बुध	27/03/2063	केतु	10/02/2079	शुक्र	14/07/2097		00/00/0000
बुध	19/10/2048	केतु	02/03/2064	शुक्र	11/04/2082	सूर्य	21/05/2098		00/00/0000
केतु	07/11/2049	शुक्र	01/11/2066	सूर्य	24/03/2083	चंद्र	20/10/2099		00/00/0000
शुक्र	07/11/2052	सूर्य	20/08/2067	चंद्र	22/10/2084	मंगल	17/10/2100		00/00/0000
सूर्य	01/10/2053	चंद्र	19/12/2068	मंगल	01/12/2085	राहु	07/05/2103		00/00/0000
चंद्र	02/04/2055	मंगल	25/11/2069	राहु	07/10/2088	गुरु	12/08/2105		00/00/0000
मंगल	20/04/2056	राहु	20/04/2072	गुरु	21/04/2091	शनि	21/04/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 6 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।